

एक सीधे लड़के को कुंवारी चूत मिल गई

“मुझे सेक्स के बारे में कुछ मालूम नहीं था। मेरे सभी दोस्तों की गर्लफ्रेंड थी पर मैं एक सीधा लड़का था। मुझे मेरे दोस्त की गर्लफ्रेंड ने अपनी सहेली की चूत दिलवाई. कैसे? मेरी रियल सेक्स स्टोरी में पढ़ें!...”

Story By: vicky axis (vicky_axis2007)

Posted: सोमवार, अक्टूबर 30th, 2006

Categories: पहली बार चुदाई

Online version: एक सीधे लड़के को कुंवारी चूत मिल गई

एक सीधे लड़के को कुंवारी चूत मिल गई

मेरा नाम विक्की है। मैं राजकोट का रहने वाला हूँ लेकिन अभी मैं अहमदाबाद में कुछ दिनों से रह रहा हूँ। अन्तर्वासना कहानियाँ पढ़ कर मैंने भी अपनी एक रियल सेक्स स्टोरी आप लोगों के साथ बाँटना चाही।

तो बात उन दिनों की है जब मुझे सेक्स के बारे में कुछ मालूम नहीं था। मेरे सभी दोस्तों की गर्लफ्रेंड थी पर मैं एक सीधा लड़का था। मेरे दोस्तों ने मुझे कई बार कहा कि तू भी कोई लड़की क्यों नहीं पटा लेता, पर हम तो पहले से ही बहुत शर्मीले थे।

एक दिन मेरे दोस्त की गर्लफ्रेंड को मिलने मैं उसके साथ गया। वहाँ पर उसकी भी एक सहेली आई हुई थी। वो उम्र में मुझसे बड़ी थी पर बहुत ही सुन्दर और सेक्सी लग रही थी। मैं मन ही मन उसे हवस भरी नजरों से देखने लगा। कभी उसके टॉप में उभरे स्तनों को तो कभी उसकी टाइट जींस से उसकी चूत का आकार! उसके जिस्म का एक एक अंग बहुत ही उभार वाला था। कसम से कोई भी लड़का उसे देखने बाद एक बार तो उसके नाम के मुठ मार ही लेगा।

उसकी नज़र भी मेरी तरफ थी, वो जान गई थी कि मैं उसके सारे अंगों को बहुत ही हवस से देख रहा हूँ पर वो कुछ बोली नहीं।

थोड़ी देर में हम लोग चले आए। मैंने घर जाकर उसके जिस्म का विचार करते हुए मुठ भी मार ली।

दूसरे दिन मैंने अपने दोस्त को उसकी गर्लफ्रेंड की सहेली को मेरे साथ मिलवाने के लिए कहा। पर मुझे मालूम नहीं था कि वो तो मुझसे भी ज्यादा चुदक्कड़ निकलेगी। मेरे दोस्त की गर्लफ्रेंड ने मुझे उससे शाम को ही मिलवा दिया।

हमने थोड़ी बातें की और दूसरे दिन ही अकेले मिलने की योजना बनाई।

ऐसे ही हमारा रूटीन हो गया, हम रोज़ मिलते रहे पर मैं इतना शर्मीला था कि मैं उससे कुछ कह ही नहीं पाता था, सिर्फ उसके शरीर के सभी उभारों को देखता ही रहता था। उसको सब मालूम था पर मुझे कहती नहीं थी, वो मेरे मुँह से बुलवाना चाहती थी पर मैं एक महीने तक कुछ बोल ही नहीं पाया।

एक दिन अचानक उसका फ़ोन आया और मुझे उसने बाहर खाने हो कहा। मैं भी जल्दी से गया, हम दोनों खाना खाने गए, मुझे नहीं मालूम था कि उसकी हवस आज मुझे कुछ और कहना चाहती थी।

खाने के बाद उसने मुझे अपने घर साथ चलने को कहा। मैंने उसको पहले मना किया पर बाद में मान गया। हम लोग चलते चलते बातें करते हुए घर की ओर जा रहे थे, रास्ते में वो मेरे बहुत करीब चलने लगी, उसके हाथ कभी मेरी जांघ पर तो कभी मेरे लंड पर लग रहे थे। तो मैं भी थोड़ा उसके करीब चलने लगा डरते हुए।

एक बार कुछ गिरते हुए सीधे मुझ पर गिर ही पड़ी, मैंने झट से उसे संभाल तो लिया पर उसके मोटे मोटे स्तन मेरे हाथ से टकरा गए। मैंने मेरी इतनी उम्र में पहली बार किसी के वक्ष छुए थे। मैं पसीना-पसीना हो गया, दिल की धड़कन तेज हो गई। मेरे मुँह से आवाज निकलना बंद हो गई पर वो तो मुझे बार बार अपने शरीर से लगा रही थी। मैंने उस दिन जींस पहनी थी फिर भी मेरा लंड जींस में से खड़ा दिख रहा था, उसकी नज़र बार बार उस पर पड़ती थी और मैं शर्म से नीचे देखने लगता था।

इतने में उसका घर आ गया। मैं सोफे पर बैठा था, वो अन्दर गई और मुझे पानी पिलाया, फिर अपने कमरे में चली गई। थोड़ी देर बाद वो एक सिल्क का गाऊन पहन कर आई और मेरे पास बैठ गई। मैंने अपनी नज़र एक बार उसके शरीर को देख कर दूसरी तरफ घुमा ली।

उसने हलके से अपना हाथ मेरे हाथ पर रख दिया। मैं कुछ बोल ही नहीं पा रहा था, तभी वो अपना हाथ धीरे धीरे मेरे गालों पर फिराने लगी।

मेरा लंड बहुत टाइट हो गया था, वो मेरे होठों के साथ अपने होंठ मिलाकर मुझे चूमने लगी। मेरे शरीर का एक एक रोंगटा खड़ा हो गया। मैंने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। वो धीरे से अपना मुँह मेरे शर्ट के बटन खोल कर अन्दर लगाने लगी, पूरे जिस्म में आग फैल गई, मेरे हाथ काम्पने लगे। फिर मैंने हिम्मत करके अपना एक हाथ उसके गाऊन के ऊपर ही उसके कमर पर फेरना चालू किया। वो तो मुझसे पहले की गरम ही थी, धीरे से अपना हाथ मैंने उसके वक्ष पर रखा तो जैसे मेरी जन्मों की प्यास भड़क उठी हो, वैसा मुझे आनंद मिला।

अब तो मुझसे भी रहा नहीं गया और उसके गाऊन को धीरे से निकाला और फेंक दिया। उसने मेरा शर्ट उतार दिया और मुझ पर चढ़ गई। गाऊन उतरने के बाद मैंने उसके जिस्म को देखा तो मानो उसको सिर्फ चोदने के लिए ही बनाया होगा। उसने लाल ब्रा और पैटी पहनी थी, उसके स्तन ब्रा में से भी बाहर निकल रहे थे। धीरे से उसकी कमर पर हाथ घुमा कर मैंने उसकी ब्रा निकाल दी। वो मेरे लंड पर हाथ रख के धीरे धीरे उसको सहलाने लगी। मुझे लगा कि अभी ही मेरा वीर्य निकल जायेगा।

फिर उसने मेरी जिप खोल कर अन्दर हाथ डाला, लण्ड को छूते ही मानो एक मूर्ति में जान आ गई हो ऐसे लंड और खड़ा हो गया। उसने अपने कोमल हाथों से मेरे लंड को बाहर निकाला और नीचे हो कर उसको चूमा।

उसने कहा- मुझ में कब से इसे पाने की आग थी, तुमने मुझे बहुत तड़पाया है पर आज मैंने भी ठान लिया कि इसका मज़ा लेकर ही रहूंगी।

फिर वो एक हाथ मेरे सीने पर फिराने लगी और दूसरे हाथ से मेरा लंड पकड़ कर मुँह में ले

कर ऊपर-नीचे होने लगी। मैंने उसकी पैटी उतार कर एक हाथ उसकी गुलाबी चूत पर रख दिया, उसकी चूत पहले से ही पानी छोड़ने लगी थी, वो बहुत ही उतावली हो रही थी चुदवाने के लिए।

मैंने उसको उठा कर अपनी गोद में बिठाया और लंड सीधा खड़ा कर दिया क्योंकि मुझे मालूम नहीं था कि कैसे करते हैं, उसने मेरा लंड पकड़ के अपनी चूत में डलवाने लगी। लंड का मुंड अन्दर जाते ही वो चीख उठी- हाय राम ! इतना मोटा लौड़ा !

थोड़ी देर रुक कर वो धीरे से लंड पर नीचे बैठती रही, धीरे-धीरे पूरा लंड उसकी चूत में चला गया। दर्द के मारे उसकी आँखों से आंसू निकल आए पर वो कुछ बोली नहीं। फिर उसने ऊपर उठ कर दो-तीन बार झटका लगाया, अब मेरा लंड पूरी तरह अन्दर जा रहा था, मुझे बहुत मज़ा आ रहा था।

थोड़ी देर में उसके मुँह से ये आवाज़ें निकलने लगी- आऽऽ... आआऽऽऽ आऽअ...आ आय... अआ..ऊ... उऔऊ उ. .उ .मर गई...

आज मेरी भी जन्मों की प्यास बुझ रही थी, मैं भी अऽऽ आय... आआऽऽ आआअ ऊऊऊऊउ... कर रहा था और कह रहा था- साली अब तुझे नहीं जाने दूंगा, तू कितने दिनों से मेरे लंड को भड़का रही थी... साली आज में तेरी माँ-बहन एक कर दूंगा...

वो अभी भी चीख रही थी- माय... उ.उ.उ.उ.. ऊऊऊ... दर्द हो रहा है!

थोड़ी देर बाद वो उतर के कुतिया की तरह हो गई और मुझे पीछे से डालने को कहा। मैंने धीरे से लंड को चूत पे रख कर जोर दिया, मेरा लंड पूरा उसकी चूत में चला गया। फिर मैं भी आगे-पीछे हो कर लंड को अन्दर-बाहर करता रहा। हम दोनों ही जन्नत में पहुँच चुके थे, वो अपनी गांड हिला कर मानो मुझे चोद रही हो, ऐसे हिल रही थी।

थोड़ी देर में मैंने और ज्यादा गति पकड़ ली। शायद लंड पूरा उसके चूत के अन्दर से टकरा रहा हो, उसने मुझे रोक देना चाहा पर मैं रुका नहीं क्योंकि अब उसकी चरमसीमा आ रही थी। उसने झटके से पूरा पानी छोड़ दिया और मैंने भी उसकी चूत अपनी पहली चुदाई के पानी से भर दी।

उसने और मैंने एक अलग ही अनुभव किया। थोड़ी देर मैं उससे चिपक कर वैसे ही लेटा रहा!

फिर उस दिन के बाद मैंने कई बार उसको चोदा।

मानो या न मानो, जो पहले सेक्स का अनुभव होता है वो एक अलग ही होता है!

तो कैसी लगी मेरी यह घटना ?

इस रियल से स्टोरी को पढ़ कर आप मुझे अपना विचार भेज सकते हैं।

vicky_axis2007@yahoo.co.in





Other sites in IPE

Tamil Scandals



URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Wahed



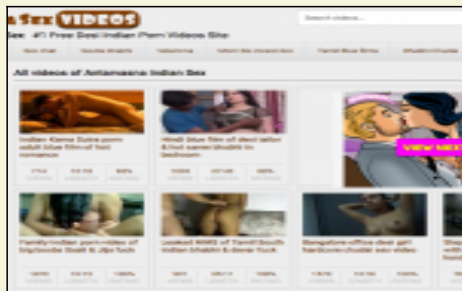
URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Indian Phone Sex



URL: www.indianphonesex.com **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Bengali, Kannada, Gujarati, Marathi, Punjabi, Malayalam **Site type:** Phone sex **Target country:** India Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all Indian languages.

Antarvasna Sex Videos



URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Indian Sex Stories



URL: www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Kannada sex stories



URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.